OM - 18 - 2021 FINAL FILE_Page 1 and 2 11/29/2021 11:31 AM Page 10

परमानेंट एंड परफेक्ट पॉलिसी

ब्र.कु.अनुज,दिल्ली

आज के दौर में बहुत ज़्यादा लोगों का जो काम जीवन बीमा पॉलिसी पर है या इंश्योरेंस पॉलिसी पर है। सभी अपने-अपने इन्वेस्टमेंट में से कुछ न कुछ इन्वेस्टमेंट इन पॉलिसीस पर ज़रूर लगाते हैं। ताकि मरणोप्रांत हमारे घर को, हमारे परिवार को कुछ न कुछ अच्छा अमाउंट(राशि)मिले, जिससे उनका जीवन चले। बिल्कुल सत्य है और होना भी चाहिए। क्योंकि हम सभी को कुछ तो सिक्योरिटी हो ना! तो एक है हमारे देह की सिक्योरिटी। जो हम इसको अच्छी तरह से सुरक्षित करने के लिए जीवन बीमा पॉलिसी कराते हैं। अब हम इसके थोड़ी डिटेल में चलते हैं...

उस पॉलिसी में हर महीने कुछ न कुछ प्रीमियम भरना होता है। कोई पाँच लाख की होती है तो कोई दस लाख की होती है। इन सबकी डेट फिक्स होती है कि कोई दो साल की होती है, कोई तीन साल में पूरी होगी, कोई पांच साल में पूरी होगी। और कुछ न कुछ उसके इन्वेस्टमेंट का प्रीमियम है वो फिक्स कर दिया जाता है। हम सभी हर महीने कुछ न कुछ निकाल उसको भरते रहते हैं। लेकिन आप एक चीज़ देखिए जो चीज़ आप भर रहे हो, प्रीमियम भर रहे हैं, वो प्रीमियम कई बार दो महीने बाद का हो जाता है, तीन महीने बाद का हो जाता है, लेकिन उस प्रीमियम में झंझट क्या है कि अगर मैंने टाइम से नहीं दिया तो कुछ न कुछ इंटरेस्ट जुड़ के आ जाता है।

लेकिन एक पॉलिसी ऐसी है जिसमें साल का महत्व नहीं है, लेकिन जीवन की हर पल, हर क्षण की गैरन्टी है, वो है परमात्मा की पॉलिसी। यहाँ वन टाइम इन्वेस्टमेंट है और लगभग 63 जन्म का कम्पलीट इंश्योरेंस है। अब यहाँ वन टाइम पॉलिसी और वन टाइम इन्वेस्टमेंट का मतलब ये है कि जब हमको पता चला कि मैं सुरक्षित तब हूँ, जब मेरे अन्दर क्वालिटिज़(विशेषताएं) हैं, वैल्यूज़ हैं, एक-एक गुण की सच्ची-सच्ची धारणा है, सच्चाई, सफाई, ईमानदारी है। ये हमारे इतने कीमती इन्वेस्टमेंट हैं। जितना ज़्यादा से ज़्यादा हम अपने ऊपर इन्वेस्ट करते हैं उतना ऑटोमेटिकली जमा होता जाता है। परमात्मा का कार्य सीधा और सरल है। इसमें कोई एजेंट नहीं बीच में, इसमें आप खुद एजेंट हैं। हर दिन का सुबह से लेकर शाम तक का, आप अपने-अपने एक-एक विचार का, शुद्ध संकल्पों का एक-एक पैसा जोड़ते हैं और शाम तक क्या इन्वेस्ट किया उसका पूरा बही-खाता तैयार कर सकते हैं। आपको प्रीमियम भरने के लिए भी कहीं जाने की ज़रूरत नहीं है। इसमें एक बहुत सुन्दर सेवा का कॉन्सेप्ट(पद्धति) भी है कि आप घर बैठे-बैठे बहुतों की बहुत सुन्दर सेवा करके, अच्छा-अच्छा उनके बारे में सोच के, शुभ भावना-शुभ कामना देकर उनको बहुत शक्तिशाली बना सकते हैं।

गैरन्टी है इस बात की कि आपने जो दिया उसका रिज़ल्ट उस समय तो अच्छा मिला ही मिला, साथ ही साथ आगे के लिए जमा भी हो गया। आप सोचो इंश्योरेन्स कम्पनियों के भागने का भी सबको खतरा है। यहाँ हमको एक प्रतिशत, माइनस कहें कि या ज़ीरो...ज़ीरो...ज़ीरो...ज़ीरो...ज़ीरो... प्रतिशत, प्वाइंट वाइस भी अगर लें तो ये खतरा नहीं है। बिल्कुल हम सुरक्षित हैं। तो परमात्मा की ये जो परमानेंट पॉलिसी है हम इसको क्यों नहीं अपना रहे? इसमें सबसे पहला डर खत्म हो जाता है। समझ का सबसे पहला प्रीमियम मिला और उस प्रीमियम से हमारा डर चला गया। तो पहली पॉलिसी का पहला इन्वेस्टमेंट कितना जबरदस्त है। जिस बात का हमको डर रहता था, मरने का डर... पता चला कि हम मरते नहीं हैं सिर्फ शरीर छोड़ते हैं। तो वो जो पॉलिसी है वो शरीर की पॉलिसी है। देह खत्म होने के बाद मिलेगा। वो आपको भी नहीं मिलेगा, किसी और को मिलेगा। आपके घर वालों को मिलेगा, जो आपके सगे-संबंधी हैं उनको मिलेगा। आपने उसका सुख थोड़े लिया!

लेकिन ये जो परमात्मा की पॉलिसी है इसमें हम हर पल, हर क्षण अपनी पॉलिसी के अपने ही नॉमिनी होते हैं। और उसका खूब सुख लेते हैं। इतना सुन्दर एजेंट और उसकी कम्पलीट भरपाई करने वाला, हम सबके अति-अति शक्तिशाली और चहेते परमात्मा जो हर पल, हर क्षण हमारे साथ हैं। हमें देना चाहते हैं। हमें बताना चाहते हैं कि आप क्या-क्या करें ताकि आपके अन्दर बल आये, ताकत आये और आप सभी को सुरक्षित करा सको। बस इन्वेस्ट करना है अच्छे संकल्पों को, अच्छे विचारों को, कम्पलीट धारणाओं को इतना इन्वेस्ट करो, इन्वेस्ट करो कि आपकी पॉलिसी कई जन्मों तक, यहाँ तो फिक्सड बात की जाती है। हम 63 जन्म तक तो बिल्कुल सुरक्षित हैं। कहीं से भी, किसी भी तरह की कोई आंच नहीं आ सकती हमारे ऊपर। तो ऐसी ही पॉलिसी को आप सब भी अपनायें और जीवन सुरक्षित करें। जीवन खुशी से जीयो+जीवन में उन सारी कमियों को अपने आप पूरा करो, जिनके लिए आप आज तक तरसते रहे।

उपलब्ध पुस्तकें
जो आपके जीवन को बदल दें

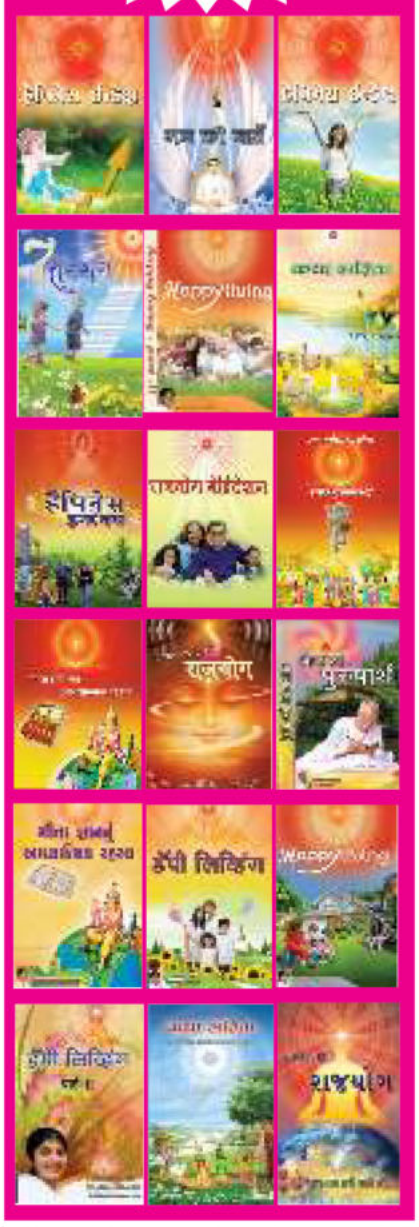

प्रश्नः- मुझे हर बार सफलता कुछ क्षण के लिए मिलती है। ऐसा मेरे साथ क्यों होता है? कृपया कुछ सुझाव दें।

उत्तरः- जीवन में ऐसा होता रहता है। आप हर चीज़ को एक पॉज़िटिव वे में लेकर चलें और निगेटिव सोचना बंद करें। क्या होता है कि सफलता हमारे सामने ही होती है, पर जब हम निगेटिव सोच लेते हैं, तो उसे अपने से दूर कर देते हैं। तो आप ऐसा न करें!

प्रश्नः- मैं जो सोचता हूँ वो मैं नहीं कर पाता हूँ। मैं अपने विचार अच्छे बनाकर खुद को एक अट्रेक्टिव सोल बनाना चाहता हूँ। मैं अपना आत्मविश्वास कैसे बढ़ाऊँ, अपने डर को कैसे दूर करूँ ताकि मुझे हर चीज़ में सफलता मिले? कृपया मेरा मार्ग दर्शन करें।

उत्तरः- सबसे पहली बात यह है कि आप बाबा को अपने साथ रखें। जब हम बाबा की श्रीमत पर चलते हैं तो हमें डर नहीं लगता है। आपको बाबा की श्रीमत पर चलकर अपने आपको नीडर बनाना होगा, डर को किनारे करना होगा। अगर आपका हाथ बाबा के हाथ में होगा, तो आपको सफलता भी ज़रूर मिलेगी। आप जब भी कोई कार्य करें तो बाबा को साथ लेकर ही करें। आप परमात्म विश्वास को बढ़ाइए, आत्मविश्वास अपने आप बढ़ जाएगा! फिर आप एक अच्छी आत्मा भी बनेंगे, सफल भी हो जाएंगे, आपका आत्मविश्वास भी बढ़ जाएगा, आपको कोई डर भी नहीं रहेगा और आप सुरक्षित अनुभव करेंगे। फिर आपके सब कार्य भी सहज हो जायेंगे।

प्रश्नः- अगर हमारा कोई संकल्प है जो हम चाहते हैं कि पूरा हो जाए, तो उसे कितना समय लगता है?

उत्तरः- सबसे पहले हमें ये देखना होगा कि हमारे उस संकल्प के पीछे का इन्टेन्शन क्या है। क्योंकि उस संकल्प के पीछे का इन्टेन्शन ही हमें सिद्धि दिलाता है। अगर गौर कर उसे देखें कि उस संकल्प के पीछे हमारा मकसद क्या है, तो उसके ऊपर निर्भर करता है कि हमें कितना टाइम लगेगा। पॉज़िटिव संकल्पों को सिद्ध होने में ज़्यादा समय लगता है क्योंकि आज चारों तरफ निगेटिविटी है। पॉज़िटिव संकल्पों को सफल बनाने के लिए हमारा आत्मविश्वास शक्तिशाली होना चाहिए और बाबा के प्रति हमारा निश्चय अटूट होना चाहिए। अगर ऐसा होगा तो हमारे संकल्प ज़रूर सिद्ध होंगे।

प्रश्नः- जब मैं ज्ञान में आया था, तब मैंने ज्योतिषी से अपनी जन्म कुंडली बनवायी थी, उसमें जो-जो लिखा है, सब वही हो रहा है। कुछ बातें ऐसी हैं जो मेरे लिए सही नहीं है। तो मैं ऐसा क्या करूं जो वो सब बातें पॉज़िटिव में बदल जायें?

उत्तरः- सबसे बड़ा ज्योतिषी आपके साथ है, वह है बाबा। जिसने आपको पूरे विश्व ड्रामा का इतिहास,

मन की बातें
- राजयोगी ब्र.कु. सूर्य

भूगोल बता दिया। जिसने आप आत्मा का सारा आदि-मध्य-अन्त बता दिया। तो आपके इस जन्म की जो भविष्यवाणी उन्होंने की है, उस पर अगर आप ध्यान देना बंद कर देंगे और बाबा ने आपकी जन्म कुंडली बताई है, इतने जन्मों का रहस्य बताया है, तो आप स्वदर्शन चक्रधारी बनकर रोज़ स्वदर्शन चक्र घुमाया करें। सतयुग से लेकर कलयुग अंत और संगम का एक चक्र रोज़, हर दिन 5 बार तो ज़रूर घुमा लिया करें। तो आपको जो भी भविष्यवाणी सुनने में आयी है, वह सब पॉज़िटिव में बदल जायेगा।

प्रश्नः- मेरा सवाल ये है कि घर में मैं और मेरा पति ही रहते हैं। पति की थोड़ी मानसिक स्थिति ठीक नहीं होने से मैं सेंटर पर नहीं जा सकती। पति को अकेले नहीं छोड़कर जा सकती और साथ भी लेकर नहीं जा सकती। कृपया मेरी समस्या का समाधान कीजिए?

उत्तरः- अगर आपकी समस्या ऐसी है, तो बीच में किसी भी समय आप जाकर, अपने आपको चाहे आधे घंटे के लिए चार्ज कर सकते हैं। इस तरह से अगर नहीं भी होता तो अपने घर में ही एक ऐसा माहौल बना दीजिए। और बाबा को अपने साथ रखिये। घर में किसी एक स्थान पर बाबा का कमरा बनाइये और उसी को सेंटर समझ लीजिये। और बीच-बीच में अपने आपको चार्ज करने के लिए थोड़ी-थोड़ी देर के लिए जा भी सकते हैं।

प्रश्नः- हमारे सकाश से क्या किसी और आत्मा के विकर्म विनाश हो सकते हैं?

उत्तरः- हमारा साकाश देना उनको ऐसी अनुभूति कराएगा जिससे उनको परमात्म अनुभूति होने लगेगी और वह आत्मा परमात्मा की याद में जाएगी। साकाश किसी को ताकत देगा लेकिन विकर्म नहीं कराएगा। हमारे द्वारा दिया गया साकाश किसी को दुआएं दे सकता है। पर दुआओं से विकर्म विनाश नहीं होते हैं। विकर्म विनाश हरेक आत्मा को स्वयं ही करने पड़ते हैं। हम किसी के विकर्म विनाश नहीं कर सकते। हम जब किसी को सकाश देते हैं तो बाबा के साथ कम्बाइन्ड होकर देते हैं। ऐसा करके हम उस आत्मा को आगे बढ़ाने के लिए मदद करते हैं। बाबा के साथ उसकी बुद्धि लग जाए, इसके लिए साकाश देते हैं। बाकी अपने विकर्म तो हरेक आत्मा को स्वयं ही विनाश करने होते हैं।

Contact e-mail - bksurya8@yahoo.com

मन की ख़ुशी और सच्ची शांति के लिए देखें आपका अपना 'पीस ऑफ माइंड' और 'अवेकनिंग' चैनल